मिशन 15-18

15-18 वर्ष के किशोर एवं किशोरियों हेतु कोविड-19 टीकाकरण अभियान

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

डॉ. संतोष शुक्ला,

संचालक टीकाकरण,

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

टीकाकरण संवाद

यह अभियान क्या है?

- भारत शासन द्वारा 3 जनवरी 2022 से 15-18 वर्ष के किशोर/किशोरियों को कोविड-19 टीकाकरण करने हेतु दिशानिर्देश दिए गए हैं।
- मध्यप्रदेश द्वारा 3 जनवरी से प्रदेश के 15-18 वर्ष के सभी किशोर/किशोरियों का टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान को मिशन 15-18 नाम दिया गया है।

यह अभियान क्यों चलाया जा रहा है?

- कोरोना महामारी को रोकने हेतु टीकाकरण सबसे प्रभावी साधन है।
- कोरोना महामारी को पूरी तरह से समाप्त करने हेतु सभी बच्चों एवं नागरिकों को टीकाकृत करना अत्यंत आवश्यक है।
- वर्तमान में प्रदेश में 18 वर्ष से ऊपर के 95% से अधिक पात्र नागरिकों को कोविड-19 टीके के दोनों डोज लगाए जा चुके है।
- प्रदेश में 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को भी कोविड-19 का टीकाकरण किया जाना आवश्यक है।

इस अभियान के पात्र हितग्राही कौन होंगे?

- प्रदेश में जो बच्चे 1 जनवरी 2007 के पहले जन्मे हैं, वे सभी टीकाकरण हेतु पात्र होंगे उनका टीकाकरण होगा।
- प्रदेश के आंकलन के अनुसार प्रदेश में इस आयुवर्ग के बच्चों की संख्या लगभग 48 लाख है ।

टीकाकरण सत्र कहाँ आयोजित किया जायेगा?

- जिलों में बच्चों की संख्या के अनुसार कार्ययोजना बना कर टीकाकरण हेतु ऐसे सरकारी, निजी स्कूल, नवोदय, केंद्रीय विद्यालय, मदरसे आदि को चिन्हित कर टीकाकरण सत्र आयोजित किया जायेगा जहाँ प्रतीक्षा, टीकाकरण एवं ऑब्जरवेशन हेतु कमरे, पानी की व्यवस्था एवं स्वछता हो ।

क्या टीकाकरण हेतु स्कूल में नामांकन होना जरुरी है

- स्कूल में नामांकन होना आवश्यक नहीं है।
- 15-18 वर्ष का कोई भी बच्चा नामांकित टीकाकरण केन्द्रों पर जाकर टीका लगा सकते हैं।

बच्चों को कौन सा वैक्सीन लगाया जायेगा?

- केवल कोवेक्सिन लगाया जायेगा।

15-18 वर्ष के बच्चों सिर्फ कोवेक्सिन क्यों लगाया जा रहा है?

- इस वैक्सीन के दो डोज़ के मध्य न्यूनतम अंतर 28 दिन है।
- देश में कोरोना की तीसरी लहर की संभावना को ध्यान में रखते हुए कोवेक्सिन के माध्यम से जल्द से जल्द 15-18 आयु वर्ग के बच्चों का टीकाकरण किया जा सकता है।

बच्चों को वैक्सीन के कितने डोज़ लगाए जायेंगे

- कोवेक्सिन के दो डोज लगाए जायेंगे
- दोनों डोज के बीच न्यूनतम 28 दिन एवंअधिकतम 42 दिन का अंतर होना जरुरी है।
- वैक्सीन का प्रथम डोज 3 जनवरी 2022 से लगाया जायेगा।

रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया कब और कैसे रहेगी?

- 1 जनवरी से ऑनलाइन माध्यम से कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है ।
- टीकाकरण केंद्र पर सीधे पहुँच कर भी रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।
- स्कूल का आई.डी. कार्ड/पहचान पत्र भी पंजीकरण हेतु वेलिड माना जायेगा।
- रजिस्ट्रेशन यूनिक मोबाइल नंबर के माध्यम से किये जायेंगे ।

टीका लगवाने के दौरान एवं लगाने के बाद क्या सावधानी रखनी होगी?

1

- टीकाकरण केंद्र पर आने से पहले बच्चों को सामान्य खाना/नास्ता अवश्य खिलाएं।
- खाली पेट में लोगों में दिक्कत हो सकती है।
- टीकाकरण कार्यकर्ता के द्वारा सत्रस्थल पर दिए गए निर्देशों का पालन करें।

टीका लगवाने के दौरान एवं लगाने के बाद क्या सावधानी रखनी होगी?

2

- टीका लगने के बाद टीकाकरण स्थल पर 30 मिनिट तक प्रतीक्षा करें।
- इस दौरान यदि कोई समस्या हो तो केंद्र पर तैनात टीकाकरण कार्यकर्ता को बताएं।
- टीका लगवाने के दौरान एवं बाद में भी SMS सेनीटाईजेशन, मास्क एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य रूप से करें।

मेरी उम्र 16 साल है क्या मैं महावारी के दौरान वैक्सीन/टीका लगवा सकती हूँ ?

- हां, आप महावारी के दौरान कोविड-19 का टीका लगवा सकती है। महावारी के दौरान कमजोरी होना सामान्य बात है।
- अब तक प्रदेश में लगभग 4.9 करोड़ महिलाओं को टीका लग चुका है और अभी तक किसी भी महिला को समस्या नहीं हुई ।

क्या वैक्सीन से मेरा पीरियड/माहवारी डिले/देर से होगी ?

- विषेषज्ञों द्वारा ऐसी कोई बात नहीं कही गई है।
- यह टीका किशोरी बालिकाओं और महिलाओं द्वारा माहवारी के दौरान भी लगवाया जा सकता है।

15-18 वर्ष के बच्चों को टीका क्यों लगाना चाहिए ?

- टीका कोरोना से बचाव का सबसे सुरक्षित और प्रभावी तरीका है।
- इसके डबल डोज से सम्पूर्ण सुरक्षा प्राप्त होती है। कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों को भी जल्दी से जल्दी वैक्सीन के माध्यम से सुरक्षित किये जाने की आवश्यकता है।

क्या सभी को टीका लगाना जरुरी है ?

- समुदाय में इस संक्रमण की प्रतिरोधी क्षमता विकसित किये बिना इस संक्रमण का खतरा कम नहीं होगा।
- जब समुदाय में सभी को यह टीका लगेगा तब प्रतिरोधी क्षमता विकसित होगी।
- वर्तमान में प्रदेश के 95% से अधिक 18+ आयु के नागरिकों को कोविड-19 टीका के दोनों डोज़ लगाए जा चुके हैं। अतः उन्हें कोरोना के विरुद्ध सुरक्षा प्राप्त है।
- अत: 15-18 वर्ष के सभी किशोर/किशोरियों को सुरक्षित बनानें हेतु टीका लगाना अत्यंत आवश्यक है।
- इस तरह से आप समुदाय को कोरोना मुक्त बनाने में मदद कर सकते हैं।

हमें/हमारे बच्चों को कोई बीमारी नहीं है इसलिये टीके की जरूरत भी नहीं है।

- यह टीका कोविड-19 संक्रमण से आपकी सुरक्षा के लिये है।
- जैसे शिशु नियमित टीके से जानलेवा रोगो से सुरक्षा मिलती है और 18+ आयु के लोगों को कोविड-19 के टीके से कोविड19 से सुरक्षा मिलती है, वैसे ही 15-18 वर्ष के किशोर/किशोरियों हेतु वैज्ञानिक परिक्षण के बाद कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिये यह टीका अनुमोदित किया गया है है।
- समझदारी किसमें है ? बीमारी होकर फिर उसका उपचार करवाने में या फिर बीमार न होने के उपायों का पालन करने में ?

कोविड-19 बीमारी शहर वालों को हो रही है, गाँव में नहीं हो रही है, इसलिये टीका लगवाने की जरूरत नहीं है।

- ऐसा नहीं है। पूर्व में ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका व्यापक प्रभाव देखने मिला था। कोविड-19 महामारी संक्रमित व्यक्ति के थूक के कणों द्वारा फैलती है।
- यदि कोविड अनुकूल व्यवहारों का पालन न किया जाये तो यह बहुत अधिक तेज गति से फैलता है।
- वायरस का फैलाव धर्म/जाती/क्षेत्र इत्यादि को देखकर नहीं होता बल्कि यह कभी भी, किसी को भी और कहीं भी हो सकता है। अतः शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड-19 से बचाव के लिये समान रूप से जरूरी उपायों का पालन करना अनिवार्य है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में भी 18+ आयुवर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़ कर कोविड-19 का टीका लगवाया है। प्रदेश में अब तक कोविड टीके के 10 करोड़ से ज्यादा डोज़ लगाए जा चुके हैं।

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
टीकाकरण संवाद

टीका लगवाने के बाद भी लोग संक्रमित हो रहे है, तो फिर टीका लगवाने का क्या फायदा ?

- टीका लगने के बाद संक्रमण होगा भी तो गंभीर और जानलेवा नहीं हो पायेगा।
- हेलमेट लगाने से दुर्घटना को तो नहीं रोका जा सकता किंतु दुर्घटना के पश्चात होने वाली गंभरता से बचाया जा सकता है, ऐसे ही यह टीका आपको संक्रमण की भयावहता से बचाता है ।

वैक्सीन बच्चो के लिए खतरनाक तो नहीं है?

- नहीं, यह वैक्सीन भारत शासन द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर ही अनुमोदित की गयी है।

वैक्सीन लगवाने की क्या प्रक्रिया है?

- दाहिने या बाएं बाजू मांसपेशी में एक हितग्राही को एक सुई एक AD सिरिंज से 0.5ml दर्द रहित टीका दिया जाएगा।

बच्चो को साइड इफ़ेक्ट तो नहीं होंगे क्योंकि एग्जाम टाइम आने वाला है?

- कोई भी साइड इफेक्ट गंभीर नहीं होते है ।
- कुछ लोगो मैं सामान्य प्रतिक्रिया टीके के स्थान पर सूजन लालामी मामूली खुजली या हल्का दर्द या थोड़ा सा बुखार होता है जो 24 घंटे में स्वयं ठीक हो जाता है।

भविष्य मे हमारे बच्चो को कोई परेशानी तो नहीं आयेगी?

- भविष्य में कोई भी परेशानी नहीं होगी अपितु अनेक बीमारी से होने वाली प्रेषाणियों से बचाव का वरदान है टीका।

अगर स्कूल वाले बोलेगे तो हमें ज़रूर ही लगवाना पड़ेगा?

- स्कूल के स्टाफ एवम टीचर्स ने स्वयं लगा रखे है दोनो टीके वो डबल सुरक्षा डबल विश्वास प्राप्त कर चुके है वो तो हमेशा आप को टीके के फायदे अवश्य बताएंगे और टीका लगाने के लिए प्रेरित करेंगे।

बच्चो को अभी यह टीका क्यों लगा रहे है डर है पेरेंट्स में?

- अभी मीडिया के माध्यम से आप देख रहे हैं की नया ओमिक्रॉन वायरस विदेशों में तेजी से बच्चों को ही अटैक कर रहा है अतः हम अविलंब टीके लगवाकर लाइलाज बीमारी से बचाव का पुण्य कार्य सभी करें।

धन्यवाद